

प्रेषक,

दीपक कुमार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र,

वसन्त विहार, देहरादून।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुभाग:

देहरादून: दिनांक: 20 सितम्बर, 2016

विषय:- उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र को सहायता मद के आयोजनागत पक्ष में चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 हेतु धनराशि स्वीकृत करने के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-यू-सैक/प्रशा0/मुख्या0/2016/317- दिनांक 06.08.2016 एवं वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/201 दिनांक 26.07.2016 के निदेश एवं पूर्व निर्गत शासन के स्वीकृत आदेश संख्या 183/XXXVIII/16-यू सैक)24/2011 दिनांक 20 मई 2016 के क्रम में अनुदान संख्या-23 के अन्तर्गत 05-अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र को सहायता मददेय-20 सहायक अनुदान /अंशदान/राजसहायता के अन्तर्गत अवशेष धनराशि रु0 133.33 (एक करोड़ तैंतीस लाख तैंतीस हजार मात्र) आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि का व्यय करते समय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-847/xxvii(1)/201 दिनांक 26.07.2016 में निहित प्रावधानों एवं निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इसके अतिरिक्त कोई भी व्यय किये जाने से पूर्व वित्तीय अधिकारों के प्रतिनिधायन के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की व्यय प्रस्ताव पर अनुमोदन प्राप्त किये जाने के उपरान्त, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं संशोधित अधिप्राप्ति नियमावली में निहित प्रावधानों, व्यवस्थाओं एवं निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जाय। मितव्ययता के सम्बन्ध में निर्गत संगत शासनादेशों एवं नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
2. संस्था द्वारा यदि किसी योजना/योजनाओं में धनराशि पी0एल0ए0 खाते में जमा की गई है तो सर्वप्रथम उक्त धनराशि को आहरित कर व्यय सुनिश्चित किया जाय, तदोपरान्त ही अवमुक्त की जा रही धनराशि का नियमानुसार उपयोग किया जाय।
3. सम्बन्धित मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किशतों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के अनुरूप ही किया जाय एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जाय तथा न ही अधिक व्ययभार सृजित किया जाय। यदि ऐसा प्रकरण संज्ञान में आता है तो उक्त कृत्य को वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में माना जायेगा जिसके लिए सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष उत्तरदायी होंगे।
4. उक्त व्यय किये जाने से पूर्व जिन कार्यों/मदों/योजना में धनराशि नियमानुसार व्यय की जानी हो उन कार्यों/मदों/योजना में कार्य की अवधि, नियोजित कार्मिक, कार्य की अनुमानित लागत, औचित्य, कुल एवं चालू वित्तीय वर्ष में कार्य के कुल लक्ष्य इत्यादि के निर्धारण उपरान्त इस सम्बन्ध में सक्षम स्तर से कार्य/योजना के सम्बन्ध में अनुमोदन प्राप्त किये जाने उपरान्त ही कार्य/योजना में व्यय सुनिश्चित किया जाय।
5. वचनबद्ध मदों तथा वेतन, मंहगाई भत्ता इत्यादि में व्यय स्वीकृत ढांचे के अनुसार नियमानुसार नियुक्त कार्मिकों के सापेक्ष ही किया जाय। यदि संस्था के अन्तर्गत स्वीकृत ढांचे के अतिरिक्त, कार्मिक किसी भी माध्यम से योजित हों अथवा नियोजित किये जाने की आवश्यकता हो तो उन कार्मिकों के सम्बन्ध में विभिन्न

क्रमश:-2

6. भारित व्ययों का भुगतान संस्था की स्वीकृत योजनाओं के सापेक्ष ही वहन किया जाय। उक्त का कढ़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
7. बी0एम0-8 पर सम्बन्धित मदवार विवरण सहित संकलित मासिक सूचनायें प्रत्येक माह की 07 तारीख तक नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय। माह में किये गये कार्यों का प्रमाण-पत्र/विवरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए एवं वर्षान्त पर सम्पूर्ण आवंटित धनराशि का व्यय विवरण व उपयोगिता प्रमाण-पत्र तथा किये गये कार्यों एवं वार्षिक प्रगति विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा और महालेखाकार से समय-समय पर आंकड़ों का मिलान सुनिश्चित किया जाए।
8. स्वीकृत धनराशि के बिल जिलाधिकारी, देहरादून से प्रतिहस्ताक्षरित कराने के उपरान्त कोषागार से आहरित किये जाय, तथा प्राप्त धनराशि का उपयोग दिनांक 31 मार्च, 2017 तक करते हुए प्रत्येक माह का बी0एम0-13 शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
9. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 23 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान, 60-अन्य, 004 अनुसंधान तथा विकास-05-उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र को सहायता-00-आयोजनागत के मानक मद, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक-अलोटमेन्ट आई0डी0 एवं मदवार आवंटित धनराशि।

भवदीय,

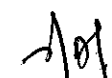
(दीपक कुमार)
सचिव।

संख्या-436 XXXVIII/16-24/2011तददिनांकित।

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
2. जिलाधिकारी देहरादून।
3. अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. अपर सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर देहरादून।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(तेजेंद्रपाल सिंह)
संयुक्त सचिव।

क्र० सं०	मद का नाम	धनराशि रु० लाख में		
		कुल	पूर्व में अवमुक्त	अवशेष
1	डिजिटल डाटाबेस क्विशन (1:50000)-(1:10000)	4.77	1.59	3.18
2	डाटा मैप लाइब्रेरी एण्ड विजुअल इन्टरप्रिटेशन लैब इमेज प्रोसेसिंग	1.17	0.39	0.78
3	लैण्ड यूज एण्ड अरबन सर्वेज	2.37	0.79	1.58
4	प्रदेश के भू-अभिलेखों का खसरा स्तर पर भू-मानचित्रीकरण	1.17	0.39	0.78
5	वाटर रिसोर्स मैनेजमेन्ट	2.37	0.79	1.58
6	स्नो ग्लेशियर	1.17	0.39	0.78
7	नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेन्ट	1.17	0.39	0.78
8	वानिकी-पारिस्थितिकीय एवं जलवायु परिवर्तन	1.17	0.39	0.78
9	औषधीय एवं सुगन्धित पादप जैव विविधता सम्पन्न क्षेत्रों का भू-सीनिक सूचना तंत्र सृजन	1.17	0.39	0.78
10	एग्रीकल्चर, हॉर्टीकल्चर, रूरल एण्ड डेवलपमेन्ट	1.17	0.39	0.78
11	अर्थ सिस्टम साइंस	1.17	0.39	0.78
12	आपदा प्रबन्धन	4.77	1.59	3.18
13	साइंस ऑफ सर्वाइवल	2.37	0.79	1.58
14	इको सिस्टम सर्विसेज इवेल्यूवेशन ऑफ सेक्रेड ग्रूप्स ऑफ उत्तराखण्ड	1.17	0.39	0.78
15	एसेसमेन्ट ऑफ कोर्डिसेप्स साइनेन्सिस हेबिटेट इन उत्तराखण्ड	0.45	0.15	0.30
16	जियोस्पाशियल डेटाबेस फॉर कैपिसिटी ऐस्टिमेशन ऑफ चार धाम रूट	0.69	0.23	0.46
17	जियोस्पाशियल डेटाबेस फॉर टूरिस्ट प्लेसेस इन उत्तराखण्ड	0.45	0.15	0.30
18	विधान सभा क्षेत्रों की मैपिंग	2.37	0.79	1.58
19	उत्तराखण्ड पंचायत पोर्टल	2.37	0.79	1.58
20	टेक्नोलॉजी इन्व्यूबेशन सैल	2.37	0.79	1.58
21	वेब आधारित डिजीजन सपोर्ट सिस्टम	2.37	0.79	1.58
22	ट्रेनिंग आन आर० एस०/ जी० आई० एस०	4.77	1.59	3.18
23	इन हाऊस-आर एण्ड डी, कैपिसिटी बिल्डिंग	4.77	1.59	3.18
24	प्लेनीटोरियम व्यू थ्री डी विज्वलाइजेशन एवं मोबाइल प्लेनीटोरियम	23.97	7.99	15.98
25	सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर का अपग्रेडेशन	23.97	7.99	15.98
26	सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर का कय	4.77	1.59	3.18
27	प्रशासन एवं निर्देशन	99.50	33.17	66.33
	कुल योग	200.00	66.67	133.33

(वीरेन्द्र पाल सिंह) संयुक्त सचिव।

521

उत्तराखण्ड शासन
सचिवालय प्रशासन विभाग
संख्या: / XXXI (5)M/2016
दिनांक : देहरादून: 30-09-2016

कार्यालय ज्ञाप

अधोहस्ताक्षरी को यह कहने का निदेश हुआ है कि सचिवालय प्रशासन विभाग के स्टोर में उपलब्ध राजधानी गठन के समय तथा उसके पश्चात् कय किये गये कम्प्युटर एवं सहवर्ती उपकरणों तथा लैपटॉप इत्यादि सामग्रियों की नीलामी पर विचार कर निर्णय हेतु सूचना और संचार तकनीकी घटकों के अनुपयोग और निस्तारण नीति-2016 के अनुसार निम्नानुसार विभागीय अनुपयोगिता समिति गठित करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- संयुक्त सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग
- 2- उपसचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग
- 3- उपसचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
- 4- एन0आई0सी0 द्वारा नामित विशेषज्ञ
- 5- व्यवस्थाधिकारी, सचिवालय प्रशासन

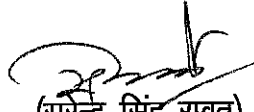
६०—
(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव।

संख्या: 185 / XXXI (5)M/2016, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- संयुक्त सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग।
- 2- उपसचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग।
- 3- उपसचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग।
- 4- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 5- व्यवस्थाधिकारी, सचिवालय प्रशासन
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(सुरेन्द्र सिंह रावत)
उपसचिव।

